शोध मंथन Vol. XII No.III July-Sep. 2021 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

महाराजगंज जनपद (उत्तर प्रदेश) में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का स्थानीय वितरण

राकेश कुमार
शोधार्थी, भूगोल विभाग
दीनदयाल उपध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,
गोरखपुर
ईमेलः *grk51093@gmail.com*

प्राप्तिः 30.08.2021
स्वीकृतः 15.09.2021

सारांश

स्वास्थ्य का न केवल मानव जीवन को सक्रिय, सक्षम और समृद्ध बनाने में अहम् भूमिका है, बल्कि इसमें राष्ट्र को सामर्थ्यवान, विकसित और सशक्त बनाने की क्षमता भी अंतर्निहित है। यही कारण है, कि देश के नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने की एक ऐसी ठोस व्यवस्था कायम करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे स्वास्थ्य देखभाल के दायरे में सभी स्तरों की चिकित्सा सुविधाएँ शामिल हो।

मूल बिन्दु

स्वास्थ्य सुविधाएँ, मिशन मोड़, कार्यान्वयन, कम्युनिटी सेंटर, परिवार कल्याण।

प्रस्तावनाः –

स्वास्थ्य जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। स्वस्थ मनुष्य की उच्च उत्पादकता, मानव जीवन की अमूल्य निधि तथा देश के सामाजिक–आर्थिक विकास एवं उत्थान का महत्वपूर्ण आयाम है। स्वस्थ मनुष्य के सन्दर्भ में कहा गया है, कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। सामान्यतः किसी भी देश के सर्वांगीण विकास में सहयोग एवं गति प्रदान करने में स्वस्थ मानव समुदाय की आवश्यकता होती है।

स्वास्थ्य का अर्थ सिर्फ बीमारियों से मुक्त रहना ही नहीं है, स्वस्थ जीवन शैली से है। एक स्वस्थ जीवन के साथ–साथ स्वस्थ जीवन शैली हेतु पर्याप्त जानकारी तथा सुविधाएँ प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकार की है। भारत सरकार ने इस विषय पर एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है और सरकार स्वास्थ्य देखभाल के चार आयामों पर कार्य कर रही है रोगनिरोगी स्वास्थ्य देखभाल, किफायती स्वास्थ्य सुविधाएँ, आपूर्ति को बेहतर बनाना और मिशन मोड में कार्यान्वयन।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में देश के प्रत्येक नागरिकों को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संरक्षण की गारंटी दी गयी है, इसमें स्वास्थ्य की सुरक्षा भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार से सम्बन्धित सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद–25 में भी कहा गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को एक ऐसा जीवन–स्तर दिलाया है जो उसके परिवार और स्वयं उस व्यक्ति के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पर्याप्त हो। इसमें भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा, देखभाल और आवश्यक सामाजिक सेवाएँ शामिल हैं।

भारत के ग्रामीण इलाके में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन शुरू किया गया। साथ ही, सार्वजनिक सेवाएं किस आधार पर उपलब्ध कराई जायेगी, इसका वितरण भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक (आई0पी00एच0एस0) में किया गया। जैसे कि मैदानी इलाकों में 5000 लोगों की आबादी पर एक हेल्थ सबसेन्टर होना चाहिए। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की वार्षिक रिपोर्ट में स्वास्थ्य मंत्रालय ने खुद लिखा है कि देश के ग्रामीण इलाकों में आई0पी0एच0सी0 के मानकों का पालन नहीं किया गया है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को मुहैया कराने के लिए सरकार की तरफ से सबसेंटर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और कम्युनिटी हेल्थ सेन्टर बनाने का प्रावधान है। जिसके तहत मैदानी में 5000 लोगों पर एक सबसेंटर, 30,000 लोगों पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 1,20,000 लोगों पर एक कम्युनिटी सेंटर का प्रावधान रखा गया है।

स्वास्थ्य और पोषण को राष्ट्रीय विकास की पहली आवश्यकता मानते हुए 15 मार्च 2017 को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की बैठक में नई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों को मंजूरी दी गयी। इसमें देश के सभी नागरिकों के लिए सरकारी इलाज की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रोगियों के बीमा का भी प्रावधान किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों में रोगियों को विशेषज्ञों से उपचार कराने के लिए सरकारी या निजी अस्पतालों में जाने की छूट दी गई है। इसके अन्तर्गत सरकार का लक्ष्य है कि देश का 80 प्रतिशत लोगों का इलाज सरकारी अस्पताल में पूरी तरह मुफ्त में हो। जिसमें दवा, जाँच और इलाज शामिल है।

अध्ययन क्षेत्रः –

महराजगंज जनपद उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है। इस जनपद का विस्तार सरयू मैदान के पूर्वी भाग में स्थित है, जिसके उत्तरी भाग में भारत एवं नेपाल की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा है। क्षेत्र का अक्षांशीय विस्तार $26^0$53′ से $27^0$26′ उत्तरी अक्षांश तथा $83^0$06′ से $83^0$56′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। जनपद के पूर्वी सीमा कुशीनगर, पश्चिमी सीमा सिद्धार्थनगर तथा दक्षिणी सीमा गोरखपुर जनपद द्वारा निर्धारित होती है। इसका क्षेत्रफल 2952 वर्ग किमी0 है जो उत्तर प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 1.21 प्रतिशत है।

प्रशासनिक दर्षष्टि से क्षेत्र को चार तहसीलों एवं 12 विकासखण्डों में विभक्त किया गया है। यहाँ 9 नगर हैं – जिसमें महराजगंज, नौतनवां तथा सिसवा बाजार नगरपालिका एवं बष्जमनगंज, फरेन्दा, सोनौली, निचलौल, घुघली तथा परतावल नगर पंचायत क्षेत्र है। यहाँ कुल न्याय पंचायत की संख्या 102 है।

महराजगंज जनपद की जलवायु उपोष्ण मानसूनी है तथा कोपेन की जलवायु वर्गीकरण में Cwa श्रेणी के अन्तर्गत है। औसत वार्षिक तापमान 25.570सी. है। यहाँ औसत वार्षिक वर्षा 100–200 सेमी0 के मध्य मिलती है। यहाँ की प्रमुख नदियों में रोहिन, छोटी गंडक है। क्षेत्र के पश्चिमी भाग में घोसी नदी एवं मध्यवर्ती भाग में रोहिन नहीं है। यहाँ की कुल जनसंख्या 26,84,403 है, जिसमें 13,81,754 पुरुष तथा 13,02,949 महिलायें हैं। स्त्री–पुरुष अनुपात 943 है। क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या 93.43 प्रतिशत है जबकि नगरीय जनसंख्या मात्र 6.56 प्रतिशत है।

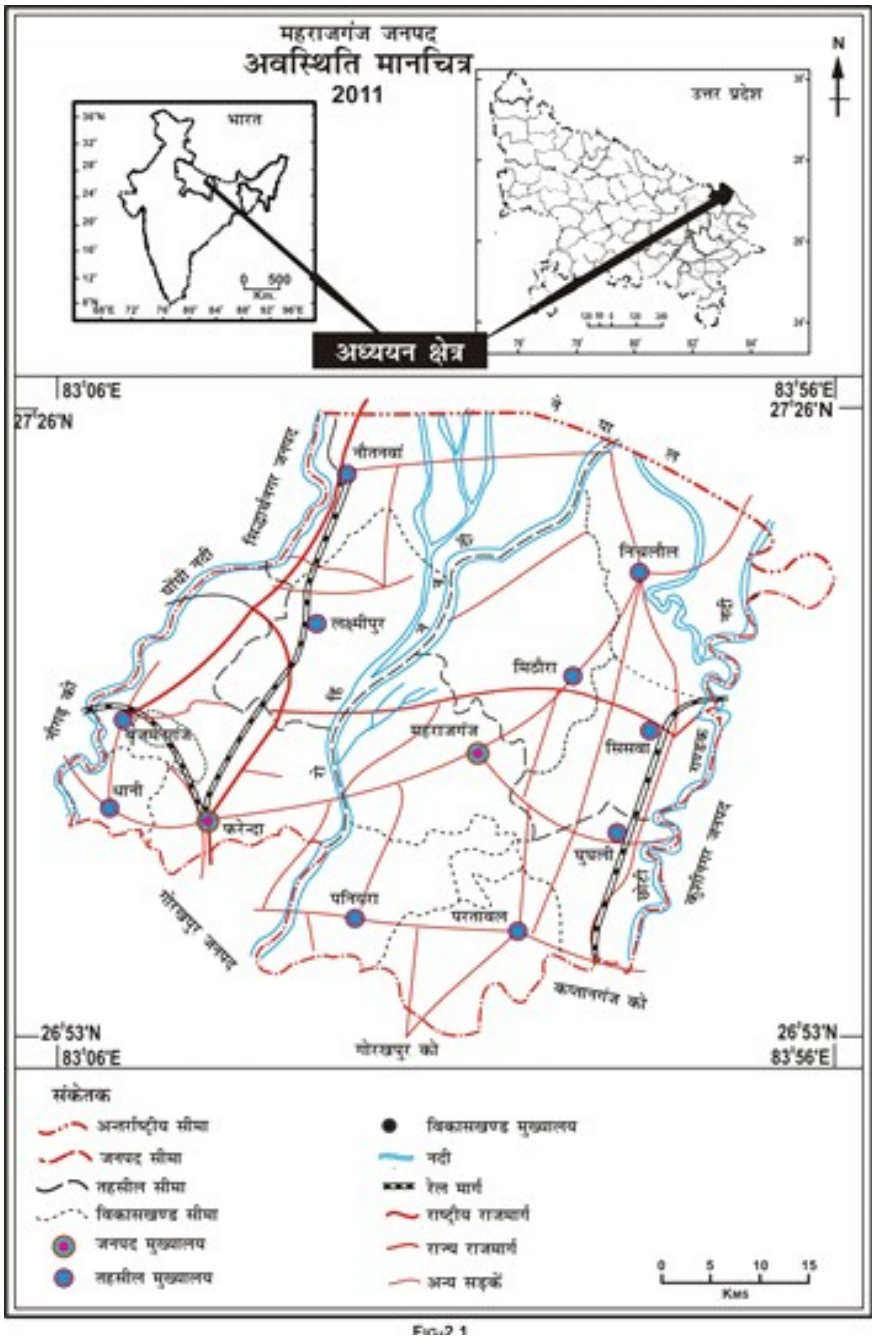

महराजगंज जनपद
अवस्थिति मानचित्र
2011
भारत
उत्तर प्रदेश
N
अध्ययन क्षेत्र
83°06'E
83°56'E
27°26'N
26°53'N
नौतनवां
लक्ष्मीपुर
निचलौल
मिठौरा
महराजगंज
सिसवा
घुघली
पनियरा
परतावल
फरेन्दा
धानी
गोरखपुर को
संकेतक
अन्तर्राष्ट्रीय सीमा
जनपद सीमा
तहसील सीमा
विकासखण्ड सीमा
जनपद मुख्यालय
तहसील मुख्यालय
विकासखण्ड मुख्यालय
नदी
रेल मार्ग
राष्ट्रीय राजमार्ग
राज्य राजमार्ग
अन्य सड़कें
0 5 10 15
Kms

Fig-2.1

उद्देश्य –

इस क्षेत्र में अध्ययन का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के वितरण को प्रस्तुत करना है। अतः इसका वितरण कहीं अधिक है और कहीं कम है।

आंकड़ा स्रोत एवं विधि तंत्र –

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु विशेषकर द्वितीयक आंकड़े, जिसमें जिला सांख्यिकी कार्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक महराजगंज जिला सांख्यिकी पत्रिका, 2020 से आंकड़ों का संग्रहण एवं परिकलन किया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रति लाख जनसंख्या के आधार पर स्थानीय वितरण को प्रस्तुत किया गया है।

स्वास्थ्य सुविधाओं का स्थानीय वितरण –

अध्ययन क्षेत्र में स्वास्थ्य सम्बन्धित सुविधाओं के अन्तर्गत सभी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिसके अन्तर्गत 25 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 41 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 17 आयुर्वेदिक चिकित्सालय और 20 होम्योपैथिक चिकित्सालय हैं, जबकि परिवार कल्याण और मातृ कल्याण केन्द्र एवं उपकेन्द्रों की संख्या 281 है।

स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध शैय्याओं की संख्या उपलब्ध की दृष्टि से जनपद में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 412 शैय्या है, जबकि आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में 52 शैय्या है। इसी प्रकार स्वासथ्य केन्द्रों पर उपलब्ध चिकित्सकों की संख्या प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 82, आयुर्वेदिक में 9, और होम्योपैथिक में 5 हैं। अध्ययन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का वितरण प्रति लाख जनसंख्या पर निम्न तालिका–1 से स्पष्ट है–

तालिका संख्या–1

महराजगंज जनपद : स्वास्थ्य सुविधाओं का वितरण (2018–19)

(प्रति लाख जनसंख्या पर)

विकासखण्ड	प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र संकेतक	आयुर्वेदिक चिकित्सालय सं०	होम्योपैथिक चिकिल्सालय सं०	परिवार कल्याण केन्द्र एवं उपकेन्द्र सं०
नौतनवां	1.71	1.28	1.28	9.82
लक्ष्मी	1.71	0.89	0.44	10.65
निचलौल	1.58	1.17	0.78	8.99
मिठौरा	0.41	0.41	0.41	9.35
सिसवा	1.31	0.44	0.88	10.08
बृजमनगंज	1.42	1.42	0.94	10.85
म्हाराजगंज	1.37	0	0.91	10.47

घुघली	2.12	0.53	0.53	12.70
पनियरा	1.78	0.44	0.45	10.69
धानी	9.70	1.21	1.21	29.09
फरेन्दा	0	0	1.09	12.58
योग ग्रामीण	1.61	0.67	0.79	11.07

स्रोत : जिला सांख्यकी पत्रिका

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

अध्ययन क्षेत्र में कुल 41 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं। अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का औसत वितरण 1.62 है, जबकि विकासखण्डानुसर इसका सर्वाधिक वितरण धानी विकासखण्ड (9.70) में है। प्रति लाख जनसंख्या पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का वितरण विश्लेषणात्मक अध्ययन के लिए चार संवर्गों में बांटा गया है, जो निम्न तालिका से स्पष्ट है–

तालिका संख्या–2

महराजगंज जनपद : प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का वितरण प्रतिरूप (2018–19)

प्रति लाख जनसंख्या पर

संवर्ग	संकेतक	विकासखण्डों की संख्या
अतिन्यून	<0.50	**2**
न्यून	0.50–1.50	**4**
मध्यम	1.50–2.50	**5**
उच्च	>2.50	**1**
योग	–	**12**

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित

अतिन्यून संवर्ग के अन्तर्गत जनपद के दक्षिण–पश्चिमी भाग में स्थित फरेन्दा तथा दक्षिण–पूर्वी भाग में स्थित मठौरा सम्मिलित है। न्यून संवर्ग के अन्तर्गत सिसवा, बष्जमनगंज, महराजगंज एवं परतावल विकासखण्ड सम्मिलित है। मध्यम संवर्ग के अन्तर्गत उत्तरी भाग में नौतनवां, निचलौल एवं लक्ष्मीपुर, दक्षिणी भाग में स्थित पनियरा तथा दक्षिण पूर्वी में स्थित घुघली को सम्मिलित किया जाता है। उच्च संवर्ग के अन्तर्गत जनपद के पश्चिम में स्थित धानी विकासखण्ड सम्मिलित है।

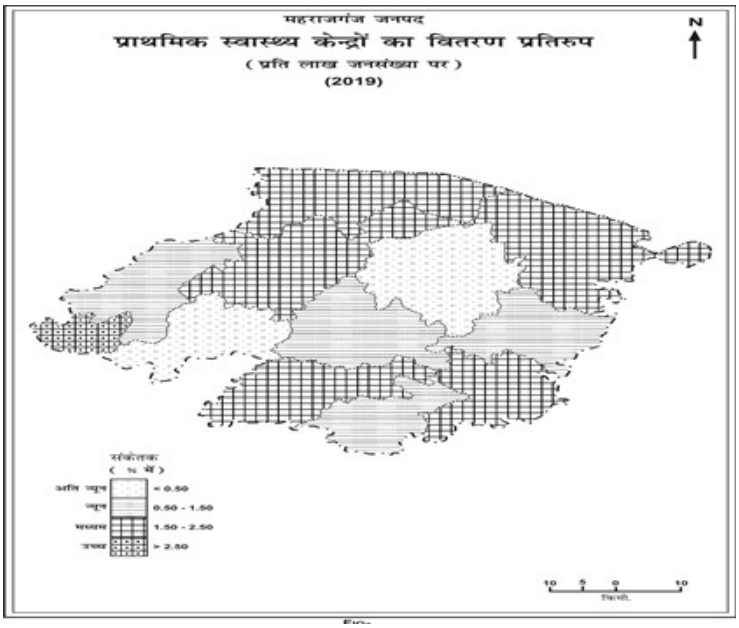

आयुर्वेदिक चिकित्सालय –

जनपद में कुल 52 आयुर्वेदिक चिकित्सालय हैं। अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का औसत वितरण 0.67 है। विकासखण्डवार आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का सर्वाधिक वितरण बष्जमनगंज में है। अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या का आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का वितरण प्रतिरूप निम्न तालिका से स्पष्ट है–

तालिका संख्या–3

महराजगंज जनपद : आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का वितरण प्रतिरूप (2018–19)

प्रति लाख जनसंख्या पर

संवर्ग	संकेतक	विकासखण्डों की संख्या
अतिन्यून	<0.20	**2**
न्यून	0.20–0.60	**5**
मध्यम	0.60–1.00	**1**
उच्च	>1.00	**4**
योग	–	**12**

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित

उपर्युक्त तालिका के विवेचन से स्पष्ट है कि अतिन्यून संवर्ग के अन्तर्गत महराजगंज एवं फरेन्दा विकासखण्ड सम्मिलित हैं। यहाँ आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का पूर्णतः अभाव पाया जाता है, जबकि न्यून संवर्ग के अन्तर्गत मिठौरा (0.41), सिसवा (0.44), घुघली (0.53), पनियरा (0.44) एवं परतावल (0.42) विकासखण्ड सम्मिलित है। मध्यम संवर्ग के अन्तर्गत लक्ष्मीपुर (0.89) विकासखण्ड सम्मिलित है। जबकि प्रतिलाख जनसंख्या पर आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का सर्वाधिक वितरण बष्जमनगंज (1.42), नौतनवां (1.28), धानी (1.21) एवं निचलौल (1.17) विकासखण्ड में है, जो उच्च संवर्ग के अन्तर्गत सम्मिलित है।

इस प्रकार अध्ययन क्षेत्र में आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का न्यून वितरण मिलता है जिसका कारण कई वर्षों से नई चिकित्सालयों की स्थापना न होना है।

होम्योपैथिक चिकित्सालय –

अध्ययन क्षेत्र में होम्योपैथिक चिकित्सालयों की कुल संख्या 20 है। जनपद में प्रति लाख जनसंख्या पर होम्योपैथिक चिकित्सालय का औसत वितरण 0.79 है। होम्योपैथिक चिकित्सालयों का सर्वाधिक वितरण नौतनवां (1.28) विकासखण्ड में, सबसे कम वितरण मिठौरा विकासखण्ड में है। अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर होम्योपैथिक चिकित्सालयों का वितरण प्रतिरूप का अध्ययन निम्न संवर्गों के अन्तर्गत किया जा सकता है।

तालिका संख्या–4

महराजगंज जनपद : होम्योपैथिक चिकित्सालयों का वितरण प्रतिरूप (2018–19)

प्रति लाख जनसंख्या पर

संवर्ग	संकेतक	विकासखण्डों की संख्या
अतिन्यून	<0.50	3
न्यून	0.50–0.80	2
मध्यम	0.80–1.10	5
उच्च	>1.10	2
योग	–	12

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित

अति न्यून संवर्ग के अन्तर्गत जनपद के मध्य में स्थित लक्ष्मीपुर, पूर्व में स्थित मिठौरा तथा दक्षिण में स्थित पनियरा विकासखण्ड सम्मिलित है। न्यून संवर्ग के अन्तर्गत निचलौल, घुघली विकासखण्ड सम्मिलित है। मध्यम संवर्ग के अन्तर्गत उत्तर पूर्व में स्थित निचलौल, पूर्व में सिसवा,

पश्चिम में स्थित बष्जमनगंज, मध्य में महराजगंज तथा दक्षिण पश्चिम में स्थित फरेन्दा विकासखण्ड सम्मिलित है। उच्च संवर्ग के अन्तर्गत नौतनवां और धानी विकासखण्ड सम्मिलित है।

परिवार नियोजन एवं मातष्–शिशु कल्याण –

परिवार नियोजन व्यावहारिक जीवन में लायी जाने वाली एक ऐसी पद्धति है जो दम्पत्तियों द्वारा स्वेच्छा से अपने महत्वपूर्ण निर्णय के आधार पर अपनायी जाती है। यह मानव ज्ञान के अभिवष्द्धि का द्योतक होता है तथा इसका मुख्य लक्ष्य परिवार में स्वास्थ्य एवं सुख के सम्बर्द्धन के साथ–साथ देश के सामाजिक–आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस प्रकार परिवार नियोजन एक व्यापक जीवन दर्शन होता है। आर0सी0 कार्वे (1951) के अनुसार 'व्यापक अर्थों में परिवार नियोजन एक कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति की उन्नति, परिवार की भलाई, समाज का सुध ाार तथा राष्ट्र की उन्नति करना है।'' आर0एल0 शर्मा (1998) के अनुसार ''परिवार नियोजन का अर्थ व्यक्ति अथवा दम्पतियों द्वारा उनकी इच्छानुसार बालकों की प्राप्ति हेतु योजना बनाना है।''

परिवार कल्याण एक व्यापक तथ्य है, जिसका उद्देश्य बच्चों के जन्म के नियंत्रण तक सीमित न होकर परिवार की देखभाल करके उसका कल्याण करना है। इस प्रकार इसके अन्तर्गत शिशु जन्म में उचित अन्तराल एवं जन्म में नियंत्रण लगाना ही सम्मिलित नहीं है, अपितु विवाह पूर्व सलाह एवं शिक्षा, विवाह मार्गदर्शन एवं सलाह, जननी एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल बन्ध्यता की चिकित्सा, गष्ह अर्थशास्त्र एवं योग्यता भी सम्मिलित है। सामान्यतः परिवार कल्याण कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रजनन वष्द्धि विकास, कष्त्रिम साधनों का उचित प्रयोग, गर्भ निरोधक, बच्चों की संख्या का संतुलित निर्धारण, जन्म एवं आयु में अन्तराल, माता–पिता एवं शिशु का स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं उन सभी कार्यक्रमों का समावेश होता है जो परिवार की पूरी इकाई और उसके अनेक सदस्यों के कल्याण से सम्बन्धित रहता है।

अध्ययन क्षेत्र में परिवार कल्याण केन्द्रों तथा उपकेन्द्रों का वितरण क्रमशः 42 एवं 239 है। सर्वाधिक जनपद में प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्र तथा उपकेन्द्रों का औसत वितरण 11.07 है। सर्वाधिक वितरण धानी विकासखण्ड में है, जबकि सबसे कम वितरण निचलौल विकासखण्ड में है (तालिका संख्या–1)।

तालिका संख्या–5

महराजगंज जनपद : परिवार कल्याण केन्द्र तथा उपकेन्द्रों का वितरण प्रतिरूप (2018–19)

प्रति लाख जनसंख्या पर

संवर्ग	संकेतक	विकासखण्डों की संख्या
अतिन्यून	<9	1
न्यून	9–10	2
मध्यम	10–11	6
उच्च	>11	3
योग	–	12

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित

उपर्युक्त तालिका के अध्ययन से स्पष्ट है कि जनपद में प्रति लाख जनसंख्या परिवार कल्याण केन्द्रों तथा उपकेन्द्रों के वितरण प्रतिरूप के अन्तर्गत अति न्यून संवर्ग में उत्तर–पूर्व में स्थित निचलौल विकासखण्ड सम्मिलित है जबकि न्यून संवर्ग के अन्तर्गत क्षेत्र के उत्तर में नौतनवां तथा पूर्व में स्थित मिठौरा विकासखण्ड सम्मिलित है। मध्यम संवर्ग के अन्तर्गत क्षेत्र के पश्चिम में लक्ष्मीपुर, बष्जमनगंज, पूर्व में सिसवा, महराजगंज तथा दक्षिण में स्थित पनियरा, परतावल सम्मिलित है। अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों तथा उपकेन्द्रों का सर्वाधिक वितरण घुघली, धानी तथा फरेन्दा विकासखण्ड में है, जो उच्च संवर्ग के अन्तर्गत सम्मिलित हैं।

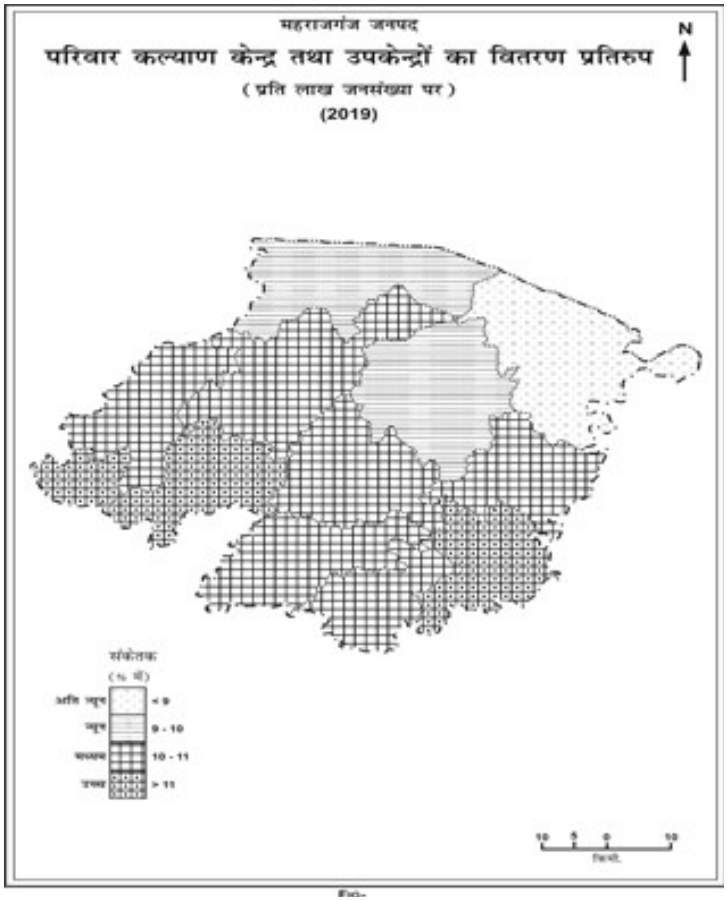

निष्कर्ष –

उपर्युक्त तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या की तुलना में स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या कम है तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के वितरण में व्यापक असमानता मिलती है। जनपद में प्रति लाख जनसंख्या पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, (1.61), आयुर्वेदिक (0.67) एवं होम्योपैथिक चिकित्सालयों (0.79) का न्यून वितरण मिलता है, जिसका दुष्प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर

पड़ना स्वाभाविक है। अध्ययन क्षेत्र में प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों तथा उपकेन्द्रों की भी संख्या कम है, जिसका प्रभाव क्षेत्र की जनसंख्या विशेष रूप से स्त्री जनसंख्या पर पड़ता है। उपर्युक्त स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में क्षेत्र के लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। अतः आवश्यक है कि अध्ययन क्षेत्र में इस प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं की संख्या बढ़ायी जाए। इसके साथ ही इसके सम वितरण पर भी ध्यान दिया जाय, जिससे क्षेत्र के सभी नागरिकों को इस प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं की प्राप्ति हो सके।

संदर्भ सूची–

1. तोमर, नरेन्द्र सिंह (2020) – **स्वास्थ्य एवं पोषण** : देश की प्रगति के पहिए, कुरूक्षेत्र पत्रिका, जनवरी, पृ0 5, 61
2. कुमार, आलोक प्रसाद, उर्वशी (2020) – **नए भारत की स्वास्थ्य सुविधाओं का रोडमैप**, कुरूक्षेत्र पत्रिका, जनवरी, पृ0 16
3. गुप्ता, रीना (2015) – **संतकबीर नगर जनपद में अवस्थापनात्मक तत्व एवं ग्रामीण विकास,** शोध प्रबन्ध, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ0प्र0)
4. कुमार, राजेश (2013) – **गामीण विकास कार्यक्रमों का सामाकजिक–आर्थिक रूपान्तरण पर प्रभाव,** गोरखपुर जनपद का प्रतिक अध्ययन, शोध प्रबन्ध, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ0प्र0)